

Total number of printed pages-8

14 (HIN-3) 3-4

2018

HINDI

Paper : 3-4

(Hindī Kā Nibandh Sāhitya and
Vyāvahārik evam Prayojanmūlak Hindī)

(New Syllabus & Old Syllabus)

Full Marks : 64/80

Time : Three hours

The figures in the margin indicate
full marks for the questions.

(New Syllabus)

(हिन्दी का निबन्ध साहित्य)

कुल अंक : 64

1. किन्हीं दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

8×2=16

(क) फल की विशेष आसक्ति से कर्म के लाघव की वासना उत्पन्न होती है, चित्त में यही आता है कि कर्म बहुत कम या बहुत सरल करना पड़े और फल बहुत-सा मिल जाय। श्रीकृष्ण ने कर्म-मार्ग से फलासक्ति की प्रबलता हटाने का बहुत ही स्पष्ट उपदेश दिया।

Contd.

(ख) श्रद्धालु महत्व को स्वीकार करता है, पर भक्त महत्व की ओर अग्रसर होता है। श्रद्धालु अपने जीवन-क्रम को ज्यों-का-त्यों छोड़ता है, पर भक्त उसकी काँट-छाँट में लग जाता है।

(ग) घर जोड़ने की अभिलाषा ही इस प्रवृत्ति का मूल कारण है। लोग केवल सत्य को पाने के लिए देर तक टिके नहीं रह सकते। उन्हें धन चाहिए, मान चाहिए, यश चाहिए, कीर्ति चाहिए।

(घ) शिव बाबा ने देखा कि पका-पकाया मामला बिगड़ना चाहता है तो उन्होंने विष्णु के रूप का ध्यान किया और तब क्या, साँप का फण पुष्पमुकुट बन गया, जटा स्निग्ध कुन्तलराशि में बदल गई, गजचर्म हंस-दुकुल बन गया और शिव की शोभा के आगे किसी की शोभा ही नहीं रही।

2. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $12 \times 3 = 36$

(क) निबन्धों के वर्गीकरण पर विचार करते हुए शुक्लयुगीन हिन्दी निबन्धों के विकास का लेखा-जोखा प्रस्तुत कीजिए।

(ख) 'लज्जा और ग्लानि' शीर्षक निबन्ध के प्रतिपाद्य की समीक्षा कीजिए।

(ग) निबन्ध-कला की दृष्टि से 'करुणा' शीर्षक निबन्ध की आलोचना प्रस्तुत कीजिए।

(घ) 'अशोक के फुल' शीर्षक निबन्ध के प्रतिपाद्य पर सम्यक् प्रकाश डालिए।

(ङ) पठित निबन्धों के आधार पर हजारी प्रसाद द्विवेदी की निबन्ध-कला की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

(च) ललित निबन्ध की विशेषताओं के आधार पर 'छितवन की छाँह' निबन्ध की समीक्षा कीजिए।

(छ) 'अभी-अभी हूँ अभी नहीं' शीर्षक निबन्ध की विषयवस्तु पर सम्यक् चर्चा कीजिए।

3. किन्हीं तीन प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए :

$4 \times 3 = 12$

(क) निबन्ध किसे कहते हैं ?

(ख) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के मनोविकार-विषयक निबन्धों की किन्हीं चार विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

(ग) प्रतिभा-संबंधिनी श्रद्धा का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(घ) "मनुष्य की श्रेष्ठ साधनाएँ ही संस्कृति है।" — प्रस्तुत कथन का आशय बताइए।

- (ड) निबन्धकार ने क्यों कहा है कि — रवीन्द्रनाथ का सम्पूर्ण साहित्य संगीतमय है?
- (च) निबन्धकार के रूप में विद्यानिवास मिश्र का परिचय दीजिए।
- (छ) 'अपनी प्रासंगिकता' शीर्षक निबन्ध के उद्देश्य का खुलासा कीजिए।

(Old Syllabus)

(व्यवहारिक एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी)

कुल अंक : 80

1. राजभाषा की वर्तमान स्थिति को लेकर एक लेख प्रस्तुत कीजिए।
20

अथवा

राजभाषा अधिनियम 1963 में निहित बातों पर विचार कीजिए।

2. किन्हीं दो के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए नमूना प्रस्तुत कीजिए :
 $7\frac{1}{2} \times 2 = 15$

(क) आलेखन

(ख) अनुस्मारक

(ग) टिप्पण

(घ) सरकारी पत्र।

3. अधिसूचना की मूलभूत बातों को सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।
10

4. अनुवाद की परिभाषा देते हुए उसके स्वरूप पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। 10

अथवा

विभिन्न प्रकार के अनुवादों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

5. किन्हीं पाँच के हिन्दी पर्याय लिखिए : $1 \times 5 = 5$

Ratio, Payee Bank, Issue, Receipt, Due to, omission, Cash, Deputy Secretary, Joint Account.

6. सही शीर्षक देकर संक्षेपण कीजिए : $1 + 9 = 10$

हिन्दी साधारण जनता की भाषा है। जनता के लिए ही उसका जन्म हुआ था और जब तक वह अपने को जनता के काम की चीज बनाए रहेगी, जनचित्त में आत्म-बल का संचार करती रहेगी, तब तक उसे किसी से डर नहीं है। वह अपने आप की भीतरी अपराजेय शक्ति के बल पर बड़ी हुई है, लोक-सेवा के महान् व्रत के कारण बड़ी हुई है और यदि अपनी मूल शक्ति के स्रोत को भूल नहीं गई तो निस्संदेह अधिकाधिक शक्तिशाली होती जायेगी। उसका कोई कुछ भी बिगाड़ नहीं सकता। वह विरोधों और संघर्षों के बीच ही पली है। उसे जन्म के समय ही मार डालने की कोशिश की गई थी, पर वह मरी नहीं है, क्योंकि उसकी जीवनी शक्ति का अक्षय स्रोत जनचित्त है।

7. हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

10

(क) Society needs the services of students for various reasons. The needs are particularly acute in a poor and underdeveloped country like India. Most of our people are illiterate, ignorant and superstitious. A large number of them live in extremely unhygienic conditions. Many of them suffer from disease and hunger. In other words, vast section of our society presents a spectacle of mental darkness and physical suffering. Students should contribute their share in improving this condition. They can organise themselves and move to places where their services are needed.

अथवा

(ख) Punctuality is one of the keys to success in life. A punctual man saves a lot of time. He can do many things within a short time. He is an asset to the society. His punctuality benefits both himself and others. Success in

public life, student life, business, army and everywhere depends a lot on punctuality. A punctual man is trusted and respected by all, because he does not cause any loss, trouble or irritation to anybody. On the otherhand, unpunctuality is a great evil. It is a source of constant trouble. An unpunctual man is nuisance to himself and to others. The punctual man is always ahead of time. But the unpunctual man is always short of it.
